

कीवा सोलर एनर्जी ड्रॉप्स (के.एस.ई.डी)

के.एस.ई.डी आज के दौर में मानव जीवन के लिए एक अत्यंत उपयोगी और गुणकारी उत्पाद सिद्ध हुआ है। ये भारत में अपनी तरह का विशेष उत्पाद है जो पेरिस की माइरो विटामिन्स लि, के सहयोग से बनाया गया है। आज की खराब दिनचर्या, दुषित भोजन और खराब जीवनशैली में के.एस.ई.डी की बहुत आवश्यकता है। ये हमारे अंदर विटामिन D3 की पूर्ति कर हमें हृदय रोग, शुगर, ब्लड प्रेशर, फ्लू, सर्दी जुकाम, चिंता, तनाव, जोड़ों और हड्डियों के रोग, नपुंसकता और कैंसर जैसी जानलेवा समस्याओं से बचाता है। हमें स्वस्थ और लंबी आयु प्रदान करता है। विटामिन D3 का प्राकृतिक स्रोत सूर्यप्रकाश भी है। परंतु ज्यादा सूर्यप्रकाश लेने से हमें त्वचा कैंसर होने का खतरा होता है और सूर्य की UV किरणें हमें नुकसान भी करती हैं। इसीलिए के.एस.ई.डी विटामिन D3 को सहज और प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराकर हमें सुखी और तंदुरस्त काया प्रदान करता है। हम में रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।

के.एस.ई.डी का स्रोत

के.एस.ई.डी का मुख्य स्रोत फ्रांस के अतिशुद्ध समुद्री वातावरण में उपलब्ध पौधे हैं। यह पेरिस की कंपनी माइरो विटामिन्स लि द्वारा बनाया गया है। इसकी गुणवत्ता विश्व स्तर के पैमानों पर आधारित है। जो इसे 100% शुद्ध और प्राकृतिक रूप से प्रभावशाली बनाता है।

हमारे शरीर को इसकी आवश्यकता क्यों ?

के.एस.ई.डी हमारे शरीर में अत्यधिक उपयोगी विटामिन D3 सहज रूप से उपलब्ध करवाता है। आज दुनिया भर में करोड़ों लोग विटामिन D3 की कमी से रोगग्रस्त हैं। ये बहुत ही चिंताजनक विषय है कि भारत में लगभग 90% लोग विटामिन D3 की कमी से ग्रस्त हैं।

हमारे शरीर में विटामिन D3 की मात्रा 30 से 100 नैनोग्राम प्रति मिलीलीटर खून में होनी चाहिए। परंतु असंतुलित आहार और खराब जीवनशैली की वजह से ये मात्रा औसतन बहुत ही कम हो गई है। जिससे नपुंसकता, बच्चों को हड्डियों की जटिल समस्याएं, उक्त रक्तचाप, ब्लडप्रेशर और हृदय रोग होने की संभावना रहती है।

हाल ही में डॉ. मार्टिन ब्लूमबर्ग के द्वारा किए गए प्रयोग में पाया गया है कि जिन पुरुषों में विटामिन D की उचित मात्रा है उन पुरुषों में शुक्राणुओं की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। यह प्रयोग 340 पुरुषों पर किया गया और पाया

गया विटामिन D को निरंतर उचित मात्रा में लेने से शुक्राणुओं की कमी दूर होती है, यह संतानप्राप्ति में सहायक है।

विटामिन D3 बहुत ही कम प्रकार के भोजन में पाया जाता है, और कम मात्रा में होने से इसकी कमी आहार पूरी नहीं कर पाता। परंतु के.एस.ई.डी इसकी कमी को पूरण करता है और हमें भरपूर मात्रा में विटामिन D3 उपलब्ध करवाकर हमें स्वस्थ जीवन देता है।

के.एस.ई.डी की कार्यक्षमता

के.एस.ई.डी हमारे शरीर में रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें हृदय रोग, नपुंसकता, रक्त शर्करा, शुगर, ब्लड प्रेशर, फ्लू, सर्दी जुकाम, हड्डियों और दातों के रोग और कैंसर जैसी बीमारियों से बचाता है। चिंता और तनाव को दूर कर हमारे मस्तिष्क, दिमाग को स्वस्थ रखता है।

केनाडा स्थित कैंसर सोसायटी ने सबसे पहले विटामिन D3 का संतुलन बनाए रखने की हिदायत दी है। अपनी जांच में उन्होंने पाया कि विटामिन D3 को उचित मात्रा में लेने से विभिन्न प्रकार के कैंसर होने की संभावना समाप्त होती है।

ये बच्चों और युवाओं में बढ़ती हड्डियों की समस्याओं को दूर करता कीएसएडी अत्यंत गुणकारी उत्पाद है जो विटामिन D3 की कमी से होनेवाले जटिल रोगों की संभावना समाप्त करता है। ये उत्पाद हड्डियों और दातों को जरूरी खनिज पदार्थों का उचित प्रयोग करने में मददगार है। विटामिन D3 कैल्शियम और फास्फोरस का संतुलन बनाए रखने में लाभदायक है।

के.एस.ई.डी शरीर को भरपूर स्फूर्ति प्रदान कर स्वस्थ और सुखी जीवन प्रदान करता है।

के.एस.ई.डी इन रोगों में सहायक है:

- कैंसर की संभावना को रोकता है।
- हृदय रोगों में सहायक है।
- रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।
- बैक्टीरिया से होने वाले रोगों से लड़ता है।
- गठिया, ब्लड प्रेशर में अत्यंत सहायक।
- हड्डियों और दातों के रोग दूर कर मजबूती प्रदान करता है।
- पुरुषों में शुक्राणुओं का आवश्यक स्तर बनाने में सहायक है। संतानप्राप्ति संबंधी समस्याओं में सहायक है।

- स्वस्थ रक्त शर्करा, शुगर के स्तर को बनाए रखता है।
- पीठदर्द और अन्य हिस्सों में जोड़ों के दर्द से मुक्ति दिलाता है।
- शरीर में स्फूर्ति प्रदान करता है, स्वास्थ्य में सुधार लाता है।
- अच्छी नींद प्रदान करता है।
- लंबी आयु देता है।
- बच्चों में हड्डियों से संबंधित रोगों को दूर करता है।
- बुखार, सर्दी जुकाम और फ्लू से रक्षा करता है।
- शरीर की कौशिकाओं को शक्ति प्रदान करता है।
- चिंता संबंधी विकारों को दूर करता है।
- मोटापा दूरकर स्फूर्ति प्रदान करता है।

के.एस.ई.डी का प्रयोग कैसे करें

के.एस.ई.डी की कुछ बूंदें गुनगुने दूध या पानी में मिलाकर इस्तेमाल करें और स्वस्थ जीवन का लाभ उठाएं। नीचे बताए अनुसार केएसईडी का प्रयोग करें।

के.एस.ई.डी की उपयोग करने की सारिणी	
उम्र	प्रतिदिन बूंदें
1 - 5 साल	10 बूंदें प्रतिदिन सुबह-शाम
6 - 14 साल	20 बूंदें प्रतिदिन सुबह-शाम
15 - 21 साल	30 बूंदें प्रतिदिन सुबह-शाम
22 साल या उपर	40 बूंदें प्रतिदिन सुबह-शाम

ध्यान देने योग्य कुछ बातें:

- ▲ के.एस.ई.डी का प्रयोग रोज करें।
- ▲ इसे उम्र और जरूरत अनुसार गुनगुने पानी या हल्के गर्म दूध में लें।
- ▲ गर्म पेय पदार्थ के साथ ना लें।
- ▲ उम्र के अनुसार प्रयोग करें और इसकी मात्रा बढ़ाई भी जा सकती है। जैसे कि 40 से 60 बूंदें प्रतिदिन ।
- ▲ इसे लेने के लिए गुनगुने या कमरे के तापमान जितने पानी की सलाह दी जाती है क्योंकि मानव शरीर एसा पानी 100% स्वीकार करता है।
- ▲ इच्छा और जरूरत अनुसार इसकी मात्रा थोड़ी बढ़ाई जा सकती है अत्यधिक इस्तमाल ना करें।
- ▲ गाढे पेय पदार्थ के साथ ना लें।

- ▲ के.एस.ई.डी की बोतल को अच्छी तरह बंद करें। नार्मल तापमान में रखें और सूरज की सीधी किरणों से बचाव रखें।
- ▲ किडनी के मरीज 40 बूंद प्रतिदिन से उपर ना लें।
- ▲ इसे स्वस्थ व्यक्ति भी ले सकते हैं। और आनेवाले रोगों से बचाव कर सकते हैं।